



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 814]  
No. 814]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 4, 2005/श्रावण 13, 1927  
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 4, 2005/SRAVANA 13, 1927

संस्कृति विभाग  
( भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण )  
अधिसूचना  
नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2005

का.आ. 1092(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 9 दिसम्बर, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 9 दिसम्बर, 2003 की अधिसूचना सं० का० आ० 1399(ई) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी; क्योंकि प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 - (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (i) में यह अपेक्षा की गई है :

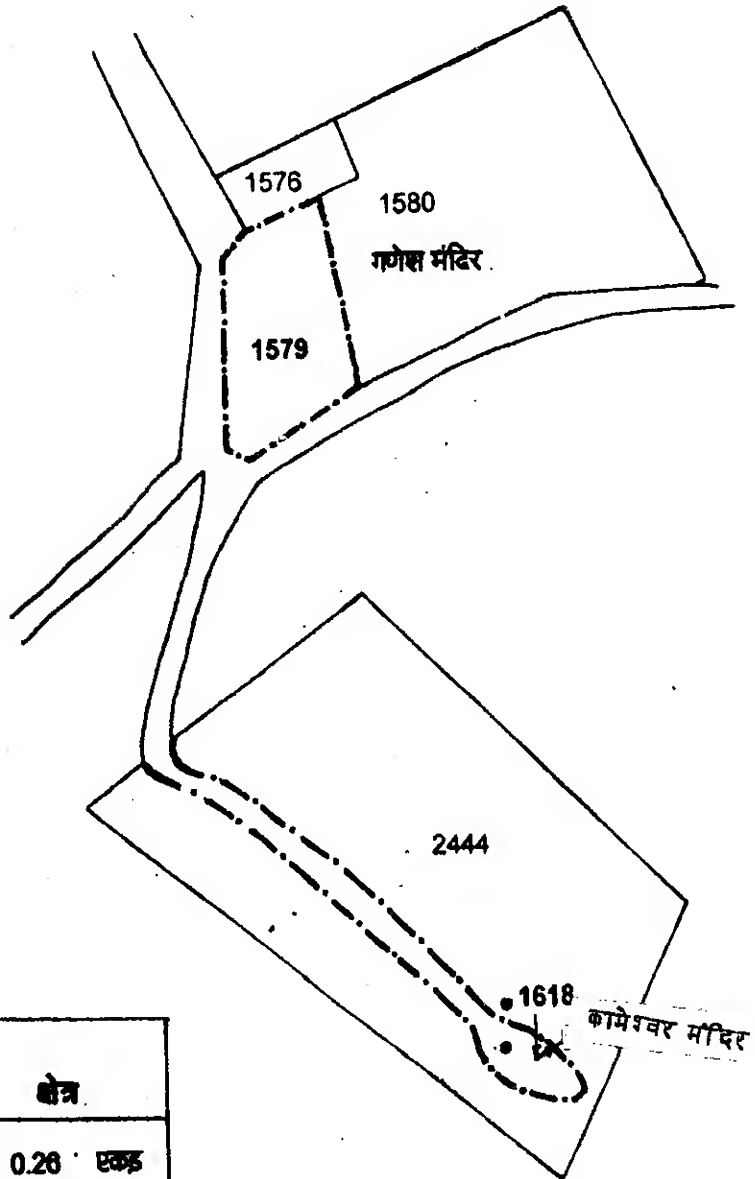
और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 26 फरवरी, 2004 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और ऐसी घोषणा किए जाने के प्रति केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इसके साथ संलग्न उक्त स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

## हाजो, जिला कामरूप, असम स्थित गणेश मंदिर तथा कामेश्वर मंदिर

0 50  
मीटर



प्लॉट संख्या	क्षेत्र
1579	0.28 एकड़
1618	0.04 एकड़
	0.303 एकड़

संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र : — . — . — . —

## अनुसूची

राज्य	जिला	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन शामिल की जाने वाली राजस्व भूखंड संख्या	क्षेत्रफल	समाप्ति	स्वामित्व	अभ्युक्तिता
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
असम	काकरप	निज हाजो पोस्ट हाजो राजस्व मंडल हाजो	श्री श्री गणेश मंदिर के नाम से प्रसिद्ध निज हाजो स्थित प्राचीन अवशेष	सर्वेक्षण भूखंड सं. 1579	0.26 एकड़ = (10.57 आर)	सर्वेक्षण भूखंड सं. 1579 जो सर्वेक्षण भूखंड सं. 1576, 1580 तथा सरकारी, लो. नि. वि. की सड़क द्वारा घिरा हुआ है।	डोलाई श्री श्री हायग्रीव माधव देवालय से संबंधित सर्वेक्षण भूखंड सं. 1579 से संबंधित है और शेष प्राइवेट है।	इस मंदिर का प्रबंधन श्री श्री हायग्रीव माधव देवालय नाम तथा शैली की प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा है जिसके प्रधान डोलाई (अध्यक्ष) श्री गोलोक चंद शर्मा हैं।
असम	कामरूप	निज हाजो पोस्ट हाजो राजस्व मंडल हाजो	श्री श्री कामेश्वर मंदिर के नाम से प्रसिद्ध निज हाजो स्थित प्राचीन अवशेष	सर्वेक्षण भूखंड सं. 1618	0.21 एकड़ = (8.56 आर)  0.04 एकड़ = (1.61 आर)	सर्वेक्षण भूखंड सं. 1618 जो सर्वेक्षण भूखंड सं. 2444 से घिरा हुआ है।	डोलाई श्री श्री हायग्रीव माधव देवालय से संबंधित सर्वेक्षण भूखंड सं. 1618 और शेष प्राइवेट	इस मंदिर का प्रबंधन श्री श्री हायग्रीव माधव देवालय नाम तथा शैली की प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा है जिसके प्रधान डोलाई (अध्यक्ष) श्री गोलोक चंद शर्मा हैं।

[फा. सं. 2-4/98-एम]  
सी. बाबू राजीव, महानिदेशक एवं अपर सचिव

**DEPARTMENT OF CULTURE**  
**(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th August, 2005

**S.O. 1092(E).—** Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture(Archaeological Survey of India) number S.O. 1399(E), dated the 9<sup>th</sup> December 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section(ii) dated the 9<sup>th</sup> December 2003, issued in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

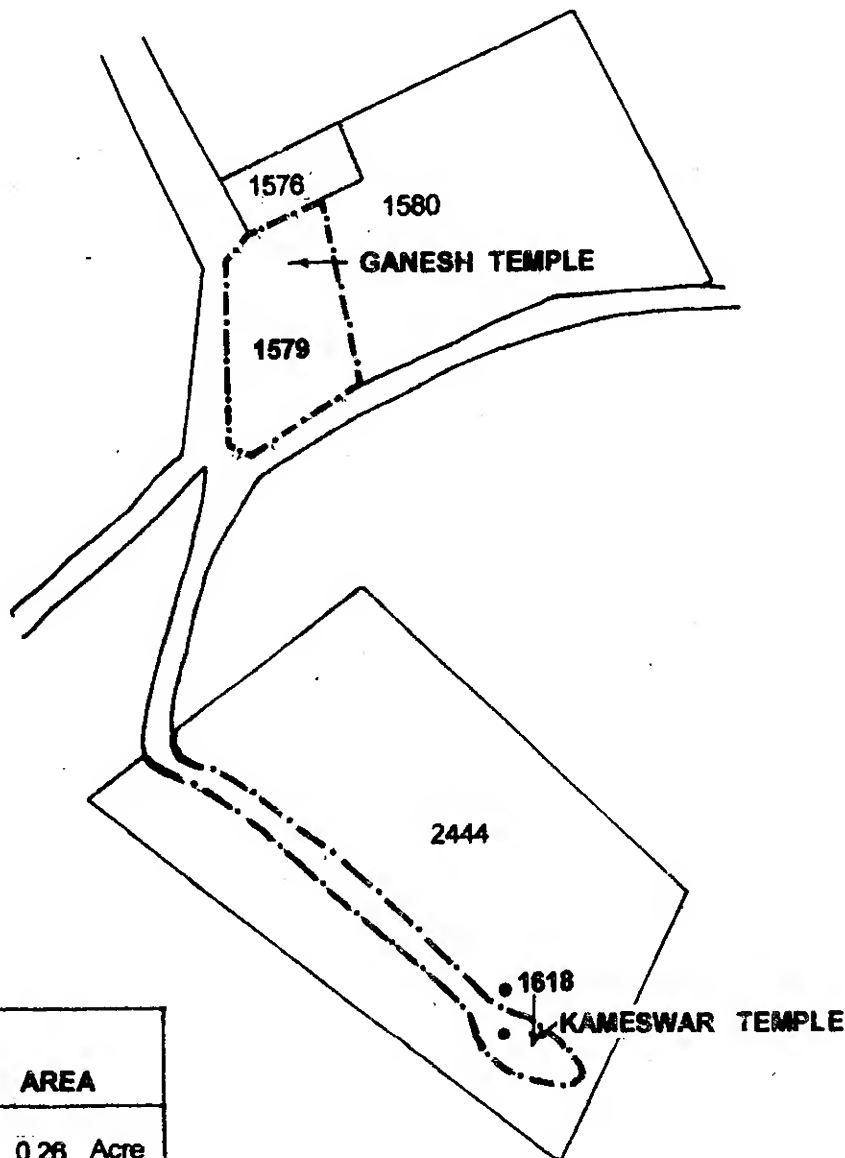
And, whereas copies of the said Gazette Notification was made available to the public on 26<sup>th</sup> February, 2004;

And, whereas, no objections have been received from the public to the making of such declaration by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites And Remains Act 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

# **GANESH TEMPLE AND KAMESWAR TEMPLE AT HAZO, DISTRICT KAMRUP, ASSAM**

0 50  
METRES



SURVEY PLOT NO.	AREA
1579	0.26 Acre
1618	0.04 Acre
	<hr/> 0.30 Acre

AREA PROPOSED FOR PROTECTION : —————

2334 GI/os-2

## SCHEDULE

State.	District.	Locality.	Name of the Monument.	Revenue Plot No. Included under protection.	Areas.	Boundaries.	Ownership.	Remarks.
1	2	4	5	6	7	8	9	10
(I) Assam.	Kamrup.	Niz Hazo P.O. Hajo Rev. Circle Hajo.	Ancient Remains At Niz Hajo known as Sri Sri Ganesh Temple.	Survey Plot No. 1579	0.26 Acre = (1.57 R)	Survey Plot No. 1579 bounded by survey plot no. 1576, 1580 and govt. PWD Road.	Survey Plot No. 1579 belongs to Doloi, Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya and rest private.	The temple is being managed by Management Committee by name style Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya headed by the Doloi (President) Sri Golok Ch. Sarma.
(II) Assam.	Kamrup.	Niz Hazo P.O. Hajo Rev. Circle Hajo.	Ancient Remains at Niz Hazo known as Sri Sri Kameswar Temple.	Survey Plot No. 1618	0.04 Acre = (1.61 R)	Survey Plot No. 1618 bounded by survey plot no. 2444.	Survey Plot No. 1618 belongs to Doloi, Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya and rest Government. and pvt. allotted.	The temple is being managed by Management Committee by name and style Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya headed by the Doloi (President) Sri Golok Ch. Sarma.

[F. No. 2-4/98-M]  
C. BABU RAJEEV, Director General & Addl. Secy.